ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

"माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा पड़ने शैक्षिक अधिगम क्षमता एवं अंग्रेजी भाषा कौशल पर प्रभाव का अध्ययन"

शोधार्थी

प्रियंका पाल

पी.एच.डी शोधार्थी

स्कूल ऑफ एजुकेशन, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छ.ग

शोध निर्देशिका

प्रो. डॉ.संगीता शराफ

प्राध्यापक

स्कूल ऑफ एजुकेशन, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छ.ग

शोध सारांश

शोध शिक्षा का सीधा संबंध मानव जीवन से है प्राचीनकाल से ही विश्व में शिक्षा देने अथवा ग्रहण करने की प्रथा किसी न किसी रूप में प्रचलित रही है मनुष्य पहले से ही कुछ न कुछ सीखता आया है व्यक्ति के जीवन को शिक्षा जिस प्रकार प्रभावित करती है,उसी प्रकार व्यक्ति का सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता है। इसी शिक्षा के द्वारा वह अपने आचार-विचार व्यवहार तथा रहन-सहन में परिवर्तन और संशोधन करता आया है।

"शिक्षा के माध्यम से ही विद्यार्थियों का सम्पूर्ण व्यक्तित्व व मानसिक स्तर बढ़ता है। शिक्षा के माध्यम से ही उसमें कुशल जीवनयापन करने की क्षमता का विकास होता है। अतः यह कहना अन्यथा न होगा कि शिक्षा के द्वारा ही व्यक्तित्व व समाज एवं समाज से देश का विकास संभव है। शिक्षा का अर्थ ज्ञान ग्रहण करना है। महत्मा गांधी - शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक एवं मनुष्य के शरीर मस्तिष्क एवं आत्मा के सर्वोत्तम अंश की अभिव्यक्ति है। "शिक्षा का अर्थ मनुष्य के मस्तिष्क को इस योग्य बनाना है कि वह शाश्वत सत्य की खोज कर सके तथा उसे अपना बना सके और उसकी अभिव्यक्ति कर सके।" कम्प्यूटर शिक्षा के द्वारा शैक्षिक अधिगम का विकास भी होता है जो की जीवन जीने में सहायता करती है | कम्प्यूटर शिक्षा से विद्यार्थियों की अधिगम कौशल विकसित होता है |

Keyword- शैक्षिक अधिगम क्षमता = सीखने कि क्षमता

कम्प्यूटर की शिक्षा = कम्प्यूटर द्वारा शिक्षा

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

प्रस्तावना

शिक्षा मानव प्रगति की और खुलने वाले मार्ग की कुंजी होता है शिक्षा शैक्षिक तथा सामाजिक में आजन्म सो चल रही एक प्रक्रिया है मानव जन्म से लेकर म्रत्युतक जो कुछ सीखता है और अनुभव करता है वह ही शिक्षा है, जो बालक रूपी हीरे की बाह्य बुराइयों को दूर करके आंतरिक गुणों को जगमगा देती है। जिसके प्रकाश में बालक स्वयं अपने व्यक्तित्व का निर्माण करता है।

एक व्यक्ति जन्म के समय असहाय होता है अपने कार्यों के लिए दूसरे व्यक्ति पर निर्भर रहता है। जैसे जैसे वह व्यक्ति बड़ा होता है वैसे-वैसे वह अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने की कोशिश करता है और अपने आप को वातावरण के अनुकूल करना सीखता है। इन कार्यों में शिक्षा उसे विशेष सहायता प्रदान करती है और इसके साथ-साथ व्यक्ति के व्यवहार में वांछित परिवर्तन भी करता है इसलिए शिक्षा प्राप्त करना व्यक्ति के लिए अतिआवश्यक है। विद्यार्थियों के अतिरिक्त पालको एवं शिक्षको को इस बात की जानकारी होनी चाहिए की विद्यार्थियों की रूचि किस कार्य में अधिक है अतः विद्यार्थियों की अनिवार्य अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता का ज्ञान होना पालको तथा शिक्षकों दोनों के लिए आवश्यक है। जिसके द्वारा वह अपने इच्छा तथा अनुभव के आधार पर संकाय का चयन करने मदद तथा उचित मार्गदर्शन कर सके और साथ ही कम्प्यूटर शिक्षा का भी लाभ ले सकें। कम्प्यूटर शिक्षा एक व्यक्ति परक दृष्टिकोण है जो व्यक्ति को किसी निश्चित कार्य करने के लिए प्रेरित करता है कम्प्यूटर शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों में शैक्षिक अधिगम

क्षमता का विकास होता है, बहुल क्षेत्रों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास के लिये उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता तथा रचनात्मक का अध्ययन करना और भी अधिक आवश्यक है, क्योंकि पिछड़ेपन के कारण विद्यार्थियों के लिये यह तय करना मुश्किल होता है कि उनकी रूचि किस विषय में अधिक है। अतः इस क्षेत्र में कार्य कर रहे शिक्षको के साथ-साथ नीति निर्माताओं के लिये भी आवश्यक होता है कि, विद्यार्थियों की रूचि किस कार्य में अधिक है तथा कम्प्यूटरीकृत शिक्षा विद्यार्थियों को अंग्रेजी विषय समझने तथा अंग्रेजी भाषा कौशल का विकास प्रकार सहायक है। इसे ध्यान में रखते हुए अध्ययनकर्ता ने छत्तीसगढ़ के बहुत क्षेत्र (रायपुर, दुर्ग, भिलाई) जिले के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल एवं शैक्षिक अधिगम क्षमता का अध्ययन करना तय किया।

संबंधित शोध साहित्य का अध्ययन - समस्या को कथन का रुप देकर शीर्षक में परिवर्तित किया जाता है जिसके माध्यम से अनुसंधानकर्ता शोध कार्य कि शुरुआत करता है, प्रस्तुत शोध अध्ययन का समस्या कथन निम्न है –

1. पांडा और चैधरी(2000) कम्प्युटर सहायता प्राप्त कार्यक्रमों के प्रभाव का अध्ययन किया सीएपी अंग्रेजी भाषा की चयनित वस्तुओं पर उच्च संज्ञानात्मक कौशल प्राप्त करने में सहायता प्रदान किया गया। द स्टडी के माध्यम से संज्ञानात्मक कौशल की प्राप्ति की डिग्री निर्धारित करने के लिए किया गया था। पारंपरिक दृष्टिकोण की तुलना में सीएपी और

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

सीएपी के प्रभाव की तुलना करने के लिए 10वीं कक्षा के लड़के और लड़कियों की सीखने की उपलब्धि का परीक्षण किया गया। यह एक उपलब्धि परीक्षण था। डेटा संग्रह के लिए एक उपकरण के रूप में निर्मित था। परिणाम ने छात्रो की प्रभावशीलता को दिखाया। पारंपरिक एक पर सीएपी दृष्टिकोण से पुरुष छात्रों को महिला छात्राओं से श्रेष्ठ पाया गया । उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि सीएपी के परिणामस्वरूप भूगोल सीखने में महिला छात्राओं को अधिक से अधिक सीख मिली है।

2. एस.आई. फज्जुलुद्दीन (2016) का एक लेख जिसका शीर्षक "द इंप्लीकेशन्स ऑफ उच्च शिक्षा प्रणाली में भारत का इंटरनेट में प्रकाशित जर्नल ऑफ हायर एजुकेशन वॉल्यूम.19,नंबर 4|

इस लेख में लेखक ने कहा है कि वर्तमान में तकनीकी वैज्ञानिक और प्रबंधन संस्थान अलगाव में काम कर रहे हैं और इन संस्थानों में उपलब्ध बहुमूल्य जानकारी देने के लिए कोई उचित तंत्र नहीं है। लेखक ने आगे कहा है किए सूचना नेटवर्क प्रणाली सक्षम करेगी और विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को साझा करने और इलेक्ट्रॉनिक रूप से उनके बीच उपलब्ध सूचना संसाधनों को प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। सूचना के रूप में कम्प्युटर नेटवर्क और दस्तावेज़ वितरण के माध्यम से साझा करना इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अनुसंधान विद्वानों और शिक्षण सुविधाएँ के लिए भी सहायक है।

3. गुप्ता और पसरीजा (2016) ने भारतीय में शिक्षिक अधिगम क्षमता और सहकारी सीखने की आवश्यकता पर चर्चा कीए कक्षा में सभी छात्रों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

देने के लिए कक्षाएँ नियमित रूप से संचालित की। छात्रों को जीवन और उच्च शिक्षा के लिए तैयार करनाए प्राप्त करना और सुधारना आवश्यक था। महत्वपूर्ण मानसिक कौशल जैसे दिमाग का प्रभावी उपयोग आलोचनात्मक सोच और समस्या ताकि वे सक्रिय रूप से जीवन की चुनौतियों का सामना कर सकें। सहकारी की खोज सीखना अत्यधिक सकारात्मक था और पाठ्यचर्या क्षेत्र मे सहकारी दृष्टिकोण सभी के लिए उपयुक्त थे। इस पेपर ने प्रतिबिंबित किया कि सहकारी सीखने ने शिक्षण और सीखने को बनाया अधिक संतोषजनक पारलौकिक सुखद और प्रभावी है।

4. शर्मा राजन दीप्ती (2016) ने शैक्षिक अधिगम क्षमता के प्रभाव की जांच की, मिडिल स्कूल के छात्रों की महत्वपूर्ण सोच और एसटीईएम (विज्ञान, विज्ञान) पर सीखने के तरीके प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग और गणितद्ध रुचि पर केन्द्रित किया। अर्ध-प्रायोगिक अनुसंधान छह ग्रेड के 99 छात्र शामिल थे (प्रायोगिक समूह में उनतालीस छात्रए नियंत्रण समूह में पैंतालीस छात्र) मूल्यांकन करने के लिए एक महत्वपूर्ण सोच परीक्षण प्रशासित किया गया था। छात्रों की संज्ञानात्मक क्षमता और एसटीईएम रुचि को देखा गया। प्रारूप शैक्षिक अधिगम शिक्षा और समस्या - आधारित शिक्षा पर था। प्रयोग किए गए प्रायोगिक समूह शैक्षिक अधिगम क्षमताए जबकि नियंत्रण समूह ने समस्या, आधारित शिक्षा का उपयोग किया है। दोनों समूहों के साथ दोनों प्रकार के निर्देशों के सत्र निष्कर्षों से पता चला कि शैक्षिक अधिगम आधारित शिक्षा ने छात्रों की आलोचनात्मक सोच में महत्वपूर्ण सुधार किया।

5 . मूर्ति (2010) ने अंग्रेजी भाषा कौशल के शिक्षण की प्रत्यक्ष विधि और द्विभाषी पद्धति की तुलना की। अध्ययन हिंदी माध्यम में वास्तविक कक्षा की स्थिति में किया गया था छत्तीसगढ़ राज्य के सरकारी उच्च विद्यालयों में चौथी कक्षा के छात्र सम्मिलित थे। अध्ययन के लिए अर्ध-प्रायोगिक डिजाइन को नियोजित किया गया था। चुना गया नमूना अध्ययन के लिए प्रारंभिक परीक्षण प्रयोगात्मक और नियंत्रण समूह के आधार पर विभाजित किया गया था। अध्ययन में पाया गया कि अंग्रेजी भाषा कौशल इसके लिए अधिक अनुकूल थी। प्राथमिक स्तर के शिक्षार्थियों को अंग्रेजी भाषा कौशल का तरीका कारगर साबित हुआ है। मौखिक पठन मौखिक समझ और अभिव्यक्ति का विकास करना और सीखने का विकास पाया गया है। यह भी पाया गया कि शिक्षकों द्वारा कौशल पद्धति से पाठ तैयार करने में लगने वाला समय प्रत्यक्ष विधि की तुलना में कम था।

अध्ययन का उद्देश्य

शोधकर्ता द्वारा किसी भी शोध कार्य का कोई ना कोई उद्देश्य लेकर ही पूर्ण किया है, बिना उद्देश्य के किया जाने वाला कार्य अर्थहीन होता है।

अतः प्रस्तुत शोध कार्य जे उद्देश्य निम्न है –

1. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का कम्प्यूटर शिक्षा तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता का अध्ययन करना।
2. अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का कम्प्यूटर शिक्षा तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता का अध्ययन करना।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper **© 2012 IJFANS. All Rights Reserved,** **UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022**

परिकल्पना - शोध कार्य के लिए परिकल्पना बहुत ही महत्वपूर्ण होती है परिकल्पना कि सहायता से शोधकर्ता को आकड़ो का संकलन करने में उचित दिशा मिलती है |

परिकल्पना क्रमांक $H_{0.1}$ -भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

परिकल्पना क्रमांक $H_{O\cdot 2}$ - भिलाई के अशासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल का शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

विधि - प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए अनुसंधानकर्ता द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। क्योंकि प्रस्तुत शोध में ऑकड़ो को एकत्र करने के लिए इस विधि का उपयोग किया गया है। क्योंकि उसके प्रतिदर्श पूरे समष्टि में फैले हुये है।

न्यादर्श – शोधकार्य में न्यादर्श की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं न्यादर्श शोध कार्य को आधार प्रदान करता है। अर्थात् शोध का आधार जितना मजबूत होगा शोधकार्य का परिणाम उतना विश्वासनीय होगा। शोधकार्य के लिए न्यादर्श का चयन इस प्रकार किया जाता है कि सम्पूर्ण जनसंख्या का चयन एक इकाई के रूप में कर सकें।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में भिलाई जिले के माध्यमिक विद्यालयों के 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

भिलाई जिले शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के 50 विद्यार्थीयों तथा भिलाई जिले अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के 50 विद्यार्थीयों का चयन किया गया | शोध हेतु कक्षा 8वी के 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है |

उपकरण का विवरण –

क्रमांक	**उपकरण का नाम**	**निर्माणकर्ता**
1.	अंग्रेजी भाषा कौशल	स्वनिर्मित
2.	अधिगम क्षमता की मापनी	स्वनिर्मित

परिकल्पनाओं का सत्यापन:

उपर्युक्त परिकल्पना क्रमांक 1 -भिलाई जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों की शैक्षिक अधिगम क्षमता तथा अंग्रेजी भाषा कौशल पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा । परिकल्पना क्रमांक $H_{0.1}$ के लिये इन दोनों चरों के बीच पियरसन सहसंबंध गुणांक की गणना की गयी जिसे तालिका में दर्शाया गया है|

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

तालिका

भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता के मध्य सहसंबंध गुणांक

चर	Number	'r'
अंग्रेजी भाषा कौशल	100	0.487(p<.01)
शैक्षिक अधिगम क्षमता	100	

r(df=98) for p<.05 = 0.19 and for p<.01 = 0.25

तालिका में सहसंबंध गुणांक r का मान 0.487 दर्शाया गया है तथा तालिका मान के अनुसार यह .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध है । सहसंबंध गुणांक के अनुसार भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता धनात्मक तथा सार्थक रूप से एक-दूसरे से सहसंबंधित हैं तथा इसका अर्थ यह हुआ कि भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता में भी वृद्धि होती है ।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

आरेख

भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा एवं शैक्षिक अधिगम क्षमता तथा अंग्रेजी भाषा कौशल का प्रकीर्ण आरेख

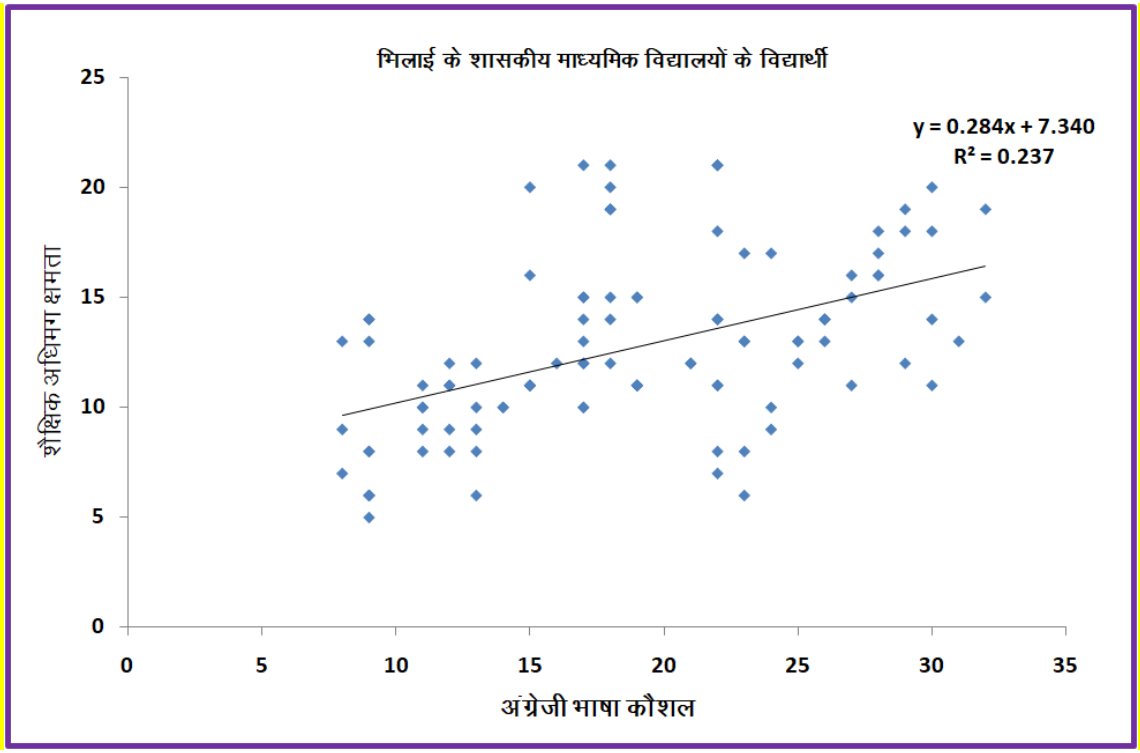

प्रकीर्ण आरेख में ट्रेंड लाईन तथा $R^2 = 0.129$ है । इस प्रकार दोनों चरों अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता पर प्लॉट किये गये आंकड़ों में से 12.9% आंकड़े प्रतीपगमन रेखा से दूर नहीं है या उससे समीप हैं जो कि दोनों चरों के बीच धनात्मक एवं निम्न स्तर के सार्थक सहसंबंध को दर्शाता है ।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

दिये गये परिणाम के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना क्रमांक $H_{0.1}$ - भिलाई के शासकीय माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा एवं अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा, **अस्वीकार की जाती है ।**

परिकल्पना क्रमांक $H_{0.2}$ -भिलाई के अशासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा। परिकल्पना क्रमांक $H_{0.2}$ के लिये इन दोनों चरों के बीच पियरसन सहसंबंध गुणांक की गणना की गयी जिसे तालिका में दर्शाया गया है

तालिका

भिलाई के अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता के मध्य सहसंबंध गुणांक

चर	Number	‘r’
अंग्रेजी भाषा कौशल	100	0.650(p<.01)
शैक्षिक अधिगम क्षमता	100	

r(df=98) for p<.05 = 0.19 and for p<.01 = 0.25

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

तालिका में सहसंबंध गुणांक r का मान 0.650 दर्शाया गया है तथा तालिका मान के अनुसार यह .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध है । सहसंबंध गुणांक के अनुसार भिलाई के अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल तथा उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता धनात्मक तथा सार्थक रूप से एक-दूसरे से सहसंबंधित हैं तथा इसका अर्थ यह हुआ कि भिलाई के अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा के द्वारा अंग्रेजी भाषा कौशल में प्रवीणता बढ़ने पर उनकी शैक्षिक अधिगम क्षमता में भी वृद्धि होती है ।

आरेख क्रमांक 4.13

भिलाई के अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा एवं शैक्षिक अधिगम क्षमता तथा अंग्रेजी भाषा कौशल का प्रकीर्ण आरेख

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

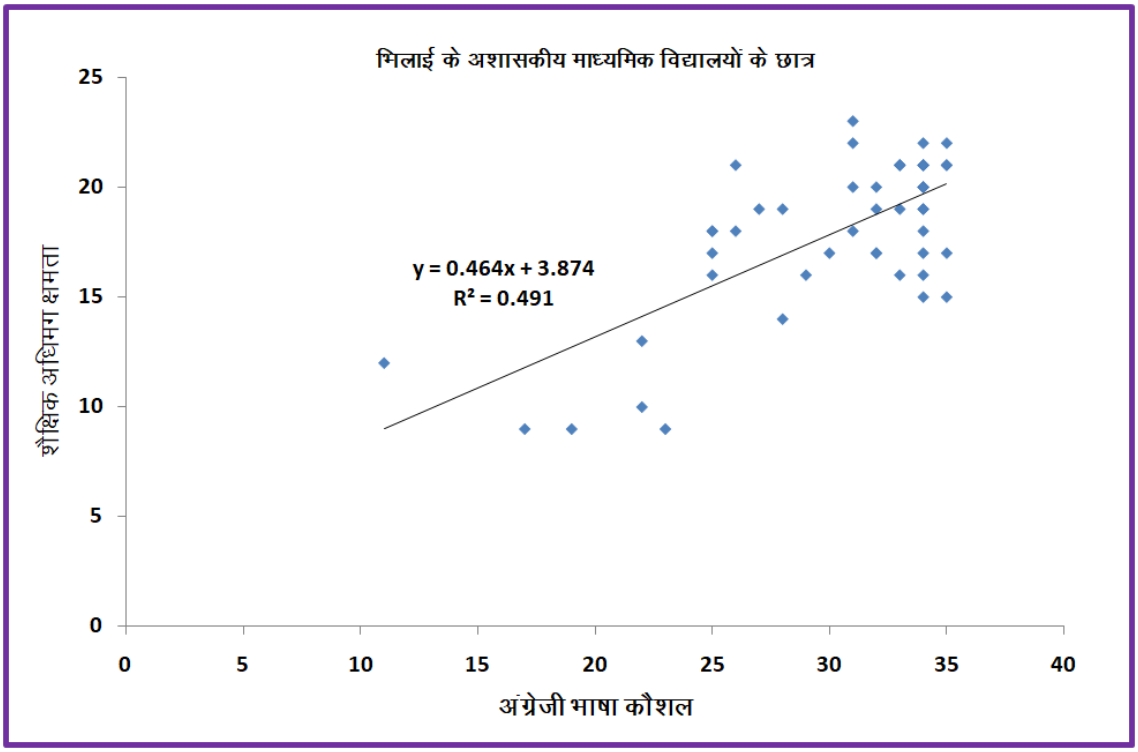

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

प्रकीर्ण आरेख में ट्रेंड लाईन तथा R^2 = 0.491 है I इस प्रकार दोनों चरों अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता पर प्लॉट किये गये आंकड़ों में से 49.1% आंकड़े प्रतीपगमन रेखा से दूर नहीं है या उससे समीप हैं जो कि दोनों चरों के बीच धनात्मक एवं मजबूत सार्थक सहसंबंध को दर्शाता है

अतः तालिका में दिये गये परिणाम के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना क्रमांक $H_{02.5}$ - भिलाई के अशासकीय माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में कम्प्यूटरीकृत शिक्षा एवं द् अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा, **अस्वीकार की जाती है I**

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

निष्कर्ष –

1. भिलाई जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा एवं अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता सार्थक एवं धनात्मक सहसंबंध साथ पाया गया जिसका प्रमाण गणना किये गये सहसंबंध गुणांक r का मान 0.487 दर्शाया गया है तथा तालिका मान के अनुसार यह .01 के **सार्थकता स्तर पर सिद्ध** है ।

2. भिलाई जिले के अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के कम्प्यूटरीकृत शिक्षा एवं अंग्रेजी भाषा कौशल तथा शैक्षिक अधिगम क्षमता सार्थक एवं धनात्मक सहसंबंध साथ पाया गया जिसका प्रमाण गणना किये गये सहसंबंध गुणांक r का मान 0.650 दर्शाया गया है तथा तालिका मान के अनुसार यह .01 के सार्थकता स्तर पर सिद्ध है ।

सुझाव:

1.कम्प्यूटरीकृत शिक्षा माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा कौशल का उनके व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन भविष्य में किया जा सकता है ।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

2.कम्प्यूटरीकृत शिक्षा माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल का उनके समग्र रूप से शैक्षिक प्रदर्शन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन भविष्य में किया जा सकता है ।

3.कम्प्यूटरीकृत शिक्षा माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल का उनके आत्म-विश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन भविष्य में किया जा सकता है ।

4.कम्प्यूटरीकृत शिक्षा की सुविधायुक्त माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा कौशल का जातीय पृष्ठभूमि के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन भविष्य में संभव है

5.कम्प्यूटरीकृत शिक्षा माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक अधिगम क्षमता का जातीय पृष्ठभूमि के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन भविष्य में संभव है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. कपिल,डॉ.एच.के.2007 "अनुसन्धान विधियाँ"भार्गव बुक हाउस,आगरा.
2. शर्मा, एस.के.2010, "शिक्षा अनुसन्धान के मूलतत्व एवं शोध प्रक्रिया ,आर लाल बुक डिपो, मेरठ .
3. राय, पारसनाथ 2005, "अनुसन्धान परिचय, भार्गव प्रकाशन.
4. सक्सेना, एन.आर. स्वरुप,2011,"शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत",आर.लाल बुक डिपो,मेरठ,
5. राय. डॉ. अमित. कुमार. (2019) "अधिगम एवं शिक्षण अनुसन्धान पब्लिकेशन,
6. भटनागर प्रो. सुरेश 2020, " शिक्षा मनोविज्ञान" श्री विनोद पुस्तक मंदिर, प्रकाशन,

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11 ,Iss 3, 2022

7. राय, पी. (1989), अनुसन्धान परिचय, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा,

8. कपिल, एच.के. (1994). प्रारंभिक सांख्यकीय विधिया, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा.